सदस्य बनें

सच और सरोकार की पत्रकारिता से जुड़ें
वार्षिक सदस्यता : ₹ 500 मात्र

पूरा वर्ष अख़बार नि:शुल्क
पैनल विज्ञापन दें
अपने व्यवसाय/संस्था का प्रचार करें 'जन जन विचार' में।
किफायती • प्रभावी • विश्वसनीय
संपर्क : 69001 26012

जन जन की बात जन जन तक

साप्ताहिक

जन जन विचार

D.S. Associates

Sri Om Plaza
2nd Floor, K.C. Road,
Chatribari, Guwahati-1
Phone : 7002682705

RNI Regd No. ASMUL/25/A2367::Guwahati, Friday, 8 May 2026 :: Vol-17 Year-1 :: शुक्रवार ।8 मई 2026। शक संवत 1948। ज्येष्ठ।कृष्ण ।षष्ठी।:: पृष्ठ-8।मूल्य - 5 रुपए

जन चिंतन
धनेश्वर चौधरी

भाषा या राजनीति

महाराष्ट्र की राजनीति में भाषा का मुद्दा फिर गर्म है। महाराष्ट्र के परिवहन मंत्री प्रताप सरनाइक ने राज ठाकरे को चुनौती दी है कि वे हिंदी भाषियों को मराठी सिखाने पर अपना रुख साफ करें। लेकिन असली सवाल इससे कहीं बड़ा है-क्या भाषा अब पहचान से ज्यादा राजनीति का औजार बन चुकी है?

क्या किसी राज्य में रहने के लिए स्थानीय भाषा सीखना गलत है? बिल्कुल नहीं। लेकिन क्या इसे दबाव या भय का माध्यम बनाना सही है? यह सवाल भी उतना ही जरूरी है। जब मराठी सिखाने के नाम पर कक्षाएं चलती हैं और साथ ही यह सवाल उठाया जाता है कि 'क्यों सिखाई जाए', तो यह दोहरा रवैया क्या दर्शाता है?

भारत की ताकत उसकी भाषाई विविधता है, न कि एक भाषा को दूसरी पर थोपने की प्रवृत्ति। अगर हर राज्य **शेष पृष्ठ 2 पर**

असम में भाजपा की हैट्रिक

बंगाल में दीदी का खेला खत्म

- तमिलनाडु में टीवीके की सुनामी
- केरल में कांग्रेस की वापसी
- पुडुचेरी में भाजपा समर्थित सरकार

जन जन विचार
...✍ गुवाहाटी

देश के चार राज्यों और एक केंद्र शासित प्रदेश में हुए विधानसभा चुनाव के नतीजे आ चुके हैं। असम और बंगाल में भारतीय जनता पार्टी को प्रचंड बहुमत मिला है। वहीं, तमिलनाडु में फिल्म एक्टर विजय की नेतृत्व वाली तमिलगा वेट्र कझगम (टीवीके) सबसे बड़ी पार्टी बनकर उभरी है। केरल में दो दशकों के बाद कांग्रेस की वापसी हुई है, जबकि पुडुचेरी में बीजेपी गठबंधन ने 18 सीटों पर जीत हासिल कर सरकार बनाने में सफल रही है।

इन सभी चुनावी राज्यों में से पश्चिम बंगाल भारतीय जनता पार्टी के लिए काफी अहम है। लंबे समय से बंगाल के अंदर सियासी जमीन तलाश रही बीजेपी के लिए यह नतीजा किसी रेगिस्तान में कुआं मिलने से कम नहीं है। लेफ्ट के वर्चस्व को खत्म कर **शेष पृष्ठ 2 पर**

जालुकबाड़ी विस सीट

हिमंत ने कांग्रेस की बिदिशा नेउग को भारी अंतर से हराया

जोरहाट से गौरव गोगोई नहीं बचा पाए अपनी साख

जन जन विचार
...✍ गुवाहाटी

असम विधानसभा चुनाव परिणाम सामने आ चुके हैं। जिसके बाद कांग्रेस को बड़ा झटका लगा है। कांग्रेस का प्रमुख चेहरा गौरव गोगोई चुनाव हार गए हैं। कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष और उम्मीदवार गौरव गोगोई जोरहाट विधानसभा सीट से चुनाव लड़े थे। उन्हें भाजपा के उम्मीदवार हितेंद्र नाथ गोस्वामी ने चुनाव हरा दिया है। गौरव गोगोई की हार, कांग्रेस के लिए एक बड़ा झटका माना जा रहा है। राज्यभर में कड़ी सुरक्षा के बीच मतगणना हुई। **पहले राउंड की गिनती से ही पिछड़ गए थे गौरव गोगोई**

ईवीएम काउंटिंग शुरू हुई तो फर्स्ट राउंड की **शेष पृष्ठ 2 पर**

विपक्षी दल के 24 में से 22 विधायक मुसलमान

जन जन विचार
...✍ गुवाहाटी

असम विधानसभा चुनाव के परिणाम आने के बाद जो आंकड़े सामने आए हैं। उसमें से एक बात साफ तौर पर नजर आती है कि, गैर एनडीए दलों के 24 निर्वाचित विधायकों में से 22 मुस्लिम समुदाय से हैं। इसमें से कांग्रेस ने 19 सीटें जीतीं है, जो कि मुस्लिम विधायकों का सबसे बड़ा गुट (18) है। वहीं, एआईयूडीएफ के पास दो सीटें हैं और रायजोर दल और तृणमूल कांग्रेस के पास एक-एक सीट है।

असम में विपक्ष पूरी तरह से मुस्लिम

असम विधानसभा में विपक्ष में अब सिर्फ दो हिंदू चेहरे हैं। इनमें से एक है रायजोर दल के प्रमुख अखिल गोगोई, जिन्होंने शिवसागर सीट बरकरार रखी और दूसरे कांग्रेस के जयप्रकाश दास; जिन्होंने नाओबोइचा सीट से जीत हासिल की। जहां मुस्लिम मतदाताओं की अच्छी खासी संख्या है। इसके अलावा कांग्रेस के सभी मौजूदा हिंदू विधायक अपनी सीटें हार गए।

एक तरफ असम विधानसभा का यह चुनाव बीजेपी के लिए बोनस साबित हुआ है। वहीं, कांग्रेस ने सिकुड़े हुए मुस्लिम बहुल क्षेत्र में अपनी स्थिति मजबूत की है। हालांकि, इसका सीधा नुकसान इत्र कारोबारी बदरुद्दीन अजमल की एआईयूडीएफ पार्टी को भुगतना पड़ा।

मुख्यमंत्री हिमंत ने जताई आपत्ति

इस नए नंबर गेम को लेकर मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने कहा कि यह दुर्भाग्यपूर्ण है कि कांग्रेस के एक **शेष पृष्ठ 6 पर**

राज्य में विकास का जनादेश : सोनोवाल

हिमंत की तारीफों के बांधे पुल

जन जन विचार
...✍ गुवाहाटी

केंद्रीय मंत्री सर्वानंद सोनोवाल ने असम विधानसभा चुनावों में भारतीय जनता पार्टी के नेतृत्व वाले राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) की निर्णायक जीत का स्वागत करते हुए कहा कि असम ने अपनी बात कह दी है, जो प्रगति के पक्ष में मतदाताओं के स्पष्ट जनादेश का प्रतीक है। मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा **शेष पृष्ठ 2 पर**

'गुवाहाटी को स्विट्जरलैंड बनाने' के बयान पर विजय गुप्ता का यू-टर्न

गुवाहाटी: असम विधानसभा चुनाव में सेंट्रल गुवाहाटी सीट से विजयी हुए विजय कुमार गुप्ता ने अपने चुनावी अभियान के दौरान दिए गए उस कथित बयान पर सफाई दी है, जिसमें गुवाहाटी को 'स्विट्जरलैंड-शिलांग' बनाने की बात कही गई थी। चुनाव प्रचार के दौरान गुप्ता के इस बयान ने व्यापक चर्चा बटोरी थी और कई लोगों ने इसे गुवाहाटी की तुलना सीधे स्विट्जरलैंड से करने के रूप में देखा था। हालांकि, जीत के बाद **शेष पृष्ठ 2 पर**

अंदर पढ़ें

3 ☞ कब बंद होगा जिस्म का बाजार?
4 ☞ एक तीर से दो शिकार
5 ☞ भारत-बांग्लादेश रिश्तों में फिर खिंचाव
7 ☞ टी20 विश्व कप : हरमनप्रीत की अगुवाई में जग फतह...

55 साल का 'कांग्रेस किला' ढहा, नजीरा में बीजेपी के मयूर बरगोहाई की ऐतिहासिक जीत

●देबव्रत सैकिया को 46,701 वोटों से हराया ●क्षेत्र में जश्न ●बिहू, ढोल-नगाड़ों से गूंजा माहौल

जन जन विचार
...✍ नज़ीरा/शिवसागर नयनमणी फुकन

असम के 97 नंबर नज़ीरा विधानसभा क्षेत्र में इस बार इतिहास रच दिया गया। करीब 55 वर्षों से कायम कांग्रेस का मजबूत किला ढह गया और भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के उम्मीदवार मयूर बरगोहाई ने शानदार जीत दर्ज की।

मयूर बरगोहाई ने कांग्रेस के वरिष्ठ नेता देबव्रत सैकिया को 46,701 वोटों के भारी अंतर से हराकर विधानसभा सीट पर कब्जा जमाया।

बरगोहाई को कुल 98,198 वोट मिले, जबकि सैकिया को 51,498 वोटों पर संतोष करना पड़ा।

अन्य उम्मीदवारों में

सीपीआई के कनक गोगोई - 2,691 वोट, निर्दलीय पंकज महंत - 1,028 वोट, निर्दलीय दिलवार हुसैन-543 वोट, निर्दलीय जयराम चरमरिया - 392 वोट, निर्दलीय गफरानुर रहमान - 372 वोट, जय भारत के दिलीप साहा- 313 वोट

नोटा -1,735 वोट

जश्न में डूबा नज़ीरा

इस ऐतिहासिक जीत के बाद पूरे नज़ीरा क्षेत्र में उत्सव का माहौल देखने को मिला। बिहू के गीत, ढोल-नगाड़ों और नृत्य के साथ लोगों ने जीत का जश्न मनाया।

मयूर बरगोहाई के पैतृक गांव मेचाघर (नज़ीरा) में महिलाओं और पुरुषों ने पारंपरिक तरीके से उनका स्वागत किया। वहीं, शिवसागर से शिमलगुरी स्थित उनके निवास तक सैकड़ों समर्थकों ने रैली निकालकर जीत का जश्न मनाया।

नज़ीरा सीट पर यह जीत केवल एक चुनावी परिणाम नहीं, बल्कि असम की राजनीति में बड़े बदलाव का संकेत मानी जा रही है। लंबे समय से कांग्रेस के गढ़ माने जाने वाले इस क्षेत्र में बीजेपी की यह जीत भविष्य की राजनीतिक दिशा तय करने में अहम साबित हो सकती है।

पृष्ठ 1 का शेषांश...

भाषा या राजनीति

अपनी भाषा को अनिवार्य बनाने लगे, तो क्या देश की एकता प्रभावित नहीं होगी? और अगर राजनीति भाषा के नाम पर विभाजन पैदा करती है, तो उसका लाभ किसे मिलता है-जनता को या नेताओं को?

सरकार का यह कहना कि टैक्सी और ऑटो चालकों को मराठी आनी चाहिए, व्यावहारिक हो सकता है। लेकिन क्या यह सुनिश्चित किया जा रहा है कि यह नियम संवेदनशील तरीके से लागू हो, न कि टकराव का कारण बने?

यह मुद्दा हमें सोचने पर मजबूर करता है-क्या हम भाषा को संवाद का माध्यम बनाएंगे या संघर्ष का? लोकतंत्र में भाषा जोड़ने का काम करे, तो ही उसकी असली ताकत सामने आती है।

असम में भाजपा की हैट्रिक

बंगाल की सियासत में आई टीएमसी के 15 साल का कार्यकाल भी खत्म हो गया।

असम में लगातार तीसरी जीत

असम में बंपर जीत के साथ मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत विश्व शर्मा लगातार तीसरी बार राज्य में सरकार बनाने में सफल रहें। यहां भारतीय जनता पार्टी 82 सीटों पर जीतने में सफल रही। जबकि कांग्रेस केवल 19 विधानसभा सीटों पर ही जीत सकी। अलग-अलग एजेंसियों द्वारा जारी किए गए एग्जिट पोल्स के आंकड़ों में भी बीजेपी की बंपर जीत का अनुमान लगाया गया था।

तमिलनाडु में टीवीके की सुनामी

तमिलनाडु विधानसभा चुनाव के नतीजों ने सभी को चौंका कर रख दिया। जहां फिल्मी स्टार थलापति विजय की टीवीके 107 सीटों पर जीतकर सबसे बड़ी पार्टी बनकर उभरी है। 60 सीटों पर जीत के साथ मुख्यमंत्री एम.के. स्टालिन की सत्ताधारी द्रविड़ मुनेत्र कड़गम (DMK) दूसरे नंबर पर रही, जबकि ऑल इंडिया अन्ना द्रविड़ मुनेत्र कड़गम (AIADMK) 47 सीटों पर जीतकर तीसरे नंबर की पार्टी बनीं। गौरतलब ही कि स्टालिन की डीएमके पिछले एक दशक से तमिलनाडु की सत्ता में काबिज में थी।

केरल में 10 साल बाद कांग्रेस की वापसी

केरल विधासभा चुनाव के नतीजों में कांग्रेस के नेतृत्व वाले यूडीएफ ने बेहतर प्रदर्शन करते हुए बुहमत का जुदाई आंकड़ा छूने में सफल रही। यहां यूडीफी को कुल 99 सीटें मिली है, जिसमें कांग्रेस ने 63 विधासभा सीटों पर जीत हासिल की है। इसी जीत के साथ केरल से मुख्यमंत्री पिनाराई विजयन के नेतृत्व वाली लेफ्ट डेमोक्रेटिक फ्रंट (LDF) सरकार की सत्ता से विदाई हो जाएगी।

पुडुचेरी में भाजपा समर्थित सरकार

पुडुचेरी 30 सदस्यों वाली विधानसभा है। जहां भारतीय जनता पार्टी के गठबंधन ने कुल 18 सीटों पर जीत दर्ज की। वहीं, कांग्रेस गठबंधन को केवल छह सीटों पर संतोष करना पड़ा। यहां भी बीजेपी समर्थित सरकार दोबारा बनने जा रही है।

जोरहाट से गौरव गोगोई नहीं बचा पाए अपनी साख

पहले राउंड में उन्हें 3937 वोट मिले। वहीं आम आदमी पार्टी को 51 वोट मिले। सबसे ज्यादा वोट बीजेपी को मिले। बीजेपी के हिदेंद्र नाथ को 4993 वोट मिले।

गौरव गोगोई के वोट होते गए कम

काउंटिंग के बाद से ही गौरव गोगोई के लिए बुरी खबर आई।

दूसरे राउंड में गौरव गोगोई को 3895 वोट मिले, जो कुल मिलाकर 7832 हो गए। वहीं बीजेपी को दूसरे राउंड में 4030 वोट मिले और बीजेपी के कुल वोट 9023 हो गए। तीसरे राउंड में गोरव गोगोई को 2043 वोट मिले। उनके कुल वोट 9875 हुए। बीजेपी को तीसरे राउंड में 4984 वोट मिले और कुल वोट 14007 हो गए।

राज्य में विकास का जनादेश : सोनोवाल

को बधाई देते हुए सोनोवाल ने कहा कि यह परिणाम राज्य भर में निरंतर जनसंपर्क और प्रभावी प्रशासनिक कार्यों का प्रतिफल है। उन्होंने कहा कि इस ऐतिहासिक क्षण में मैं अपनी हार्दिक बधाई प्रेषित करता हूं। आपकी अथक ऊर्जा और कड़ी मेहनत ने विकास के संदेश को राज्य के कोने-कोने तक पहुंचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि यह नया जनादेश 'एक विकसित, सुरक्षित और आत्मनिर्भर असम' के निर्माण के प्रयासों को और सुदृढ़ करेगा। उन्होंने आगे कहा कि सरकार का बुनियादी ढांचे के विकास, जनकल्याणकारी योजनाओं के क्रियान्वयन और आर्थिक प्रगति पर केंद्रित दृष्टिकोण मतदाताओं को प्रभावित करने में सफल रहा है।

साप्ताहिक राशिफल

8 मई से 14 मई 2026 ।। विक्रम संवत 2083-**मास :** ज्येष्ठ, **पक्ष :** कृष्ण, **तिथि :** षष्ठी

मेष

इस सप्ताह आपके अंदर ऊर्जा और उत्साह भरपूर रहेगा। कार्यक्षेत्र में नए अवसर मिल सकते हैं, लेकिन जल्दबाजी में फैसले लेने से बचें।

वृषभ

यह सप्ताह धैर्य और समझदारी से काम लेने का है। नौकरी या व्यवसाय में स्थिरता बनी रहेगी, लेकिन बड़े बदलाव से बचना बेहतर होगा।

मिथुन

मिथुन राशि वालों के लिए यह सप्ताह अवसरों से भरा रहेगा। करियर में नए रास्ते खुल सकते हैं और आपकी मेहनत रंग लाएगी।

कर्क

इस सप्ताह भावनात्मक उतार-चढ़ाव अधिक रह सकते हैं। कार्यक्षेत्र में ध्यान केंद्रित करना जरूरी होगा, वरना गलतियां हो सकती हैं।

सिंह

सिंह राशि के लिए यह सप्ताह काफी अनुकूल रहेगा। आत्मविश्वास में वृद्धि होगी और आप अपने लक्ष्यों की ओर तेजी से बढ़ेंगे।

कन्या

इस सप्ताह काम का दबाव थोड़ा बढ़ सकता है। आपको अपने समय का सही प्रबंधन करना होगा। कार्यक्षेत्र में छोटी-छोटी समस्याएं आ सकती हैं, लेकिन आप उन्हें सुलझा लेंगे।

तुला

तुला राशि वालों के लिए यह सप्ताह संतुलन बनाए रखने का है। करियर में अच्छे परिणाम मिलेंगे और आपकी मेहनत की सराहना होगी।

वृश्चिक

इस सप्ताह कुछ गुप्त चिंताएं आपको परेशान कर सकती हैं। कार्यक्षेत्र में सतर्क रहें और किसी पर आंख बंद करके भरोसा न करें। आर्थिक मामलों में जोखिम लेने से बचें।

धनु

धनु राशि वालों के लिए यह सप्ताह भाग्यशाली रहेगा। नए प्रोजेक्ट्स की शुरुआत के लिए समय अच्छा है। यात्रा के योग बन रहे हैं, जो आपको नए अनुभव देंगे।

मकर

यह सप्ताह आपके लिए मेहनत का फल देने वाला रहेगा। कार्यक्षेत्र में आपकी प्रतिष्ठा बढ़ेगी और वरिष्ठों से सराहना मिलेगी।

कुंभ

कुंभ राशि वालों के लिए यह सप्ताह नई योजनाओं और अवसरों से भरा रहेगा। दोस्तों और सहकर्मियों से सहयोग मिलेगा। करियर में सुधार होगा।

मीन

मीन राशि के लिए यह सप्ताह रचनात्मकता और सकारात्मकता से भरा रहेगा। कला और सृजनात्मक कार्यों में रुचि बढ़ेगी। आर्थिक लाभ के संकेत हैं। प्रेम जीवन सुखद रहेगा और रिश्तों में गहराई आएगी।

सप्ताह के पर्व/त्योहार

9 मई : कालाष्टमी, मासिक कृष्ण जन्माष्टमी
12 मई : तेलुगु हनुमान जयंती, बड़ा मंगल
13 मई : अपरा एकादशी, कृष्ण परशुराम द्वादशी
14 मई : गुरु प्रदोष व्रत (शिव पूजा)

●ज्योतिर्विद् आचार्य अखिलेश्वर शुक्ल
भाग्योदय : पहला तल्ला, सेंट्रल प्लाजा, एमएस रोड
फैंसी बाजार, गुवाहाटी-781001 मो.-94350 40387

कब बंद होगा जिस्म का बाजार?

जन जन विचार
...✍ गुवाहाटी

गुवाहाटी। *''चलते चलते यूं ही कोई मिल गया था, सरे राह चलते-चलते वहीं तुम से रह गई है मेरी रात ढलते ढलते... ?*

कमाल आमरोही की फिल्म 'पाकिजा' का यह गीत अक्सर बड़े-बड़े शहरों के कोठे और बदनाम गलियों में बजते सुना जाता रहा है, लेकिन रविवार की शाम पलटन बाजार के बजाज शो रूम के सामने फुटपाथ पर दो अधेड़ महिलाएं अपने मोबाइल फोन पर यह गीत सुन रही थीं।

मैं उधर से गुजर रहा था कि एक महिला ने आवाज लगाई 'मोजा मारिबो नेकि, सुवाली लागे'। माने वह असमिया में बोल रही थी, इसका मतलब था मजे लेने है क्या? सुंदर और कमसीन लड़कियां चाहिए क्या?

मैंने पूछा, कहां मिलेंगी सुंदर लड़कियां, उसने बताया एक से बढ़कर एक लड़कियां मिलेंगी बर्शते आपको अपनी जेब ढिली करनी पड़ेगी।

मैंने कहा- रुपयों की कोई बात नहीं, लेकिन मजे मारने के लिए उपयुक्त जगह मेरे पास नहीं है, उसने कहा जगह भी हम देंगे, मैंने पूछा, 'कहां जाना होगा।' उसने कहा पलटन बाजार से लेकर उलुबाड़ी तक जितने भी स्पा सेंटर और होटल हैं वहां मैं आपकी पसंद की लड़कियां उपलब्ध करा दूंगी, जहां आप और वह सुंदर युवती जिस्म का मजा लूट सकते हैं, बदले में आपको होटल के कमरे का किराया के अलावा 6 हजार रुपए देने पड़ेंगे। इन 6 हजार रुपयों में से एक हजार रुपए मेरा कमीशन होगा।

उस अधेड़ महिला से पूछा ठीक है कल शाम को आऊंगा, वह बोली ठीक है। आना जरूर, वहां से लौटते वक्त उस अधेड़ महिला से मैंने यूं ही पूछ लिया कि हर रोज इधर से गुजरते वक्त मैंने अन्य कई महिलाओं को संदिग्ध हालात में इधर से उधर घूमते हुए देखा है, आखिर यह महिलाएं कौन हैं?

वह बोली आप आम खाओ गुठली को फेंक दो, फिर भी आप ने पूछा है तो बता ही देती हूं, दिन के ग्यारह बजे से लेकर देर रात तक हम महिलाएं ग्राहकों की तलाश में लगी रहती हैं। दूर-दराज और शहर से मजे लूटने के लिए हमारे पास ही आते हैं, हमारा काम है ग्राहकों को युवतियां परोसना और कमीशन की रकम लेना।

उसने एक युवक की ओर इशारा करती हुई बताई, भैया इसे देख रहे हो। इसके पास कभी मत जाना। यह एक शातिर और दिलफेंक इंसान है-इसका काम है ग्राहकों को पुलिस के माध्यम से लूटना। पहले यह ग्राहक ठीक करता है, बाद में ग्राहक को लेकर होटल ले जाता है, होटल में बैठने को कह कर वह होटल के कमरे में जाता है, जहां पहले से एक बैठी रहती है, युवती से कुछ बातचीत कर उसे हमबिस्तर बनाता है और बाहर आकर ग्राहक को कमरे के अंदर छोड़कर बाहर आ जाता है। थोड़ी देर बाद पुलिस आती है और कमरे कर दरवाजा खुलवाकर अंदर चली जाती है।

बताते हैं कि उक्त ग्राहक को थाने ले जाने का भय दिखाकर उससे मोटी रकम वसूली जाती है। वसूली की गई रकम से लड़की और उस दलाल को दी जाती है। इधर पलटन बाजार के इसी स्थान से कुछ रिक्शा चालक भी शामिल हैं। ग्राहक युवती के साथ रिक्शा पर सवार होकर कुछ दूरी जाता है कि पुलिस रिक्शा रुकवा देती है और ग्राहक से पूछती है कि 'यह तुम्हारी कौन है?' इतना पूछने के बाद ग्राहक घबड़ा जाता है, पुलिस द्वारा मांगी गई रकम को लेकर वह भाग निकलता है। पुलिस द्वारा ली गई रकम का बंटवारा होता है।

गुवाहाटी महानगर और इसके आस-पास इलाकों में देह व्यापार का धंधा अवैध रूप से फल-फूल रहा है यह अनैतिक देह-व्यापार का धंधा पलटन बाजार, मणिपुरी बस्ती, हातीगांव, पानबाजार, बेतकुची और उलुबाड़ी के अलावा जयानगर में भी धड़ल्ले से चल रहा है।

देह व्यापार का धंधा चोरी-छिपे होटलों, स्पा सेंटरों और ब्यूटी पार्लरों में तेजी के साथ किया जा रहा है। देह व्यापार चलाने वाले इतने चालाक और शातिर दिमाग के हैं कि पुलिस के हत्थे कभी नहीं चढ़ते।

युवतियों के साथ रातें रंगीन करने के लिए 6 हजार रुपए से लेकर 10 हजार रुपए की मांग की जाती है। रकम में दलाली और पुलिस का कमीशन भी शामिल रहता है।

देह व्यापार करने वाले गिरोह बड़े ही ताकतवर लोग होते हैं। ग्राहकों को युवतियों की सप्लाई देने के लिए मोबाइल फोन के ह्वाट्सएप नबंर का व्यवहार करते हैं, ग्राहकों को उनकी पसंद की लड़कियों का फोटो भेजते हैं। यूं कहे तो आज के इस युग में ऑनलाइन के माध्यम से देह व्यापार का धंधा तेजी के साथ किया जा रहा है।

देह व्यापार करने वाले कुछ ऐसे भी हैं जो सुंदर लड़कियों को वेतन पर रख लेते हैं और ग्राहकों से मोटी रकम लेकर उक्त युवती को एक रात के लिए दे देते हैं, वहीं दिन के उजालों में भी देह व्यापार का धंधा चल रहा है। पता चला है कि कई ग्राहकों से रात रंगीन करने वाली युवतियां बोल भी चुकी है, हमें भोजन, मोटी रकम चाहिए बदले में तुम मुझे लुटो, मैं लुटाती रहूंगी जब- तक तुम चाहो।

प्रदेश में देह व्यापार के साथ-साथ मानव तस्करी की घटनाएं भी तेजी के साथ बढ़ रही है। तिनसुकिया, कोकराझाड़, शोणितपुर के अलावा गुवाहाटी में भी यह धंधा कुछ अलग तरीकों के साथ किया जा रहा है। अनैतिक कार्य में रोकने के लिए पुलिस और प्रशासन लगातार छापेमारी कर रही है लेकिन धंधा बंद होने का नाम नहीं ले रही है।

हाल ही में गुवाहाटी शहर में क्राइन ब्रांच और गुवाहाटी पुलिस ने पांच अलग-अलग यूनीसेक्स और स्पा सेंटरों पर छापेमारी की कइयों को हिरासत में लिया गया लेकिन सरगना पुलिस के हाथ कोसो दूर है।

इस तरह के स्पा सेंटर ब्यूटी पार्लरों और गेस्ट हाउसों में देह व्यापार का धंधा चोरी-छिपे चल

शेष पृष्ठ 7 पर

दलालों ने इस तरह की एक सौ से अधिक युवतियों के फोटो ग्राहक बनकर सच्चाई का पता लगाने की कोशिश करने वाले इस पत्रकार को दिए।

क्रूरता की दास्तां सीमा की जिंदगी

जन जन विचार
...✍ गुवाहाटी

लोहे की कील वाली बेल्ट से मार खाकर लहूलुहान होना बर्दाश्त कर लिया सीमा (काल्पनिक नाम) ने, लेकिन उसे अपना शरीर दूसरे के हाथों सौंपना मंजूर नहीं था। उसे उसकी कथित संरक्षक देह बेचने पर मजबूर करती थी। इस अन्याय के खिलाफ सीमा ने आवाज उठाई तो उसके शरीर की चमड़ी उधेड़नी शुरू कर दी गई और उसे जान से मारने की धमकी दी जाने लगी। सीमा सब बर्दास्त करती रही, क्योंकि उसने भारतीय नारी के आदर्शों को चुना था, समय आने पर सीमा ने मजबूर युवतियों के लिए एक आदर्श पेश किया और एक दिन मौका पाते ही घर से भाग गई और नगा कोतवाली दिसपुर में मामला दर्ज करवा दी।

यह सत्य घटना कई सालों पहले की है। दिसपुर इलाके में एक कस्बा है कृष्ण नगर। इसी मोहल्ले में ऐसी बेगम एक चौदह साल की लड़की सीमा को अपने साथ रखी हुई थी। कहा जाता है कि सीमा के माता-पिता गरीब थे और इसी का उायदा उठाते हुए बेगम साहिबा सीमा को अपने बेटी की तरह रखेगी कहकर साथ लाई थी। कुछ दिनों तक सीमा के साथ बेगम साहिबा अच्छी तरह पेश आई। बेगम का स्वभाव देखकर सीमा भी खुश थी। सीमा को क्या मालूम था कि बेगम साहिबा एक शातिर दिमाग वाली महिला है। कुछ दिनों के बाद बेगम ने अपनी असली चेहरा दिखाना शुरू कर दिया। एक रात बेगम अपने साथ एक अधेड़ मर्द को लेकर घर पहुंची। सौ-सौ के नोट सीमा के हाथों में रखती हुई बेगम ने उस अधेड़ मर्द से सीमा की इज्जत लुटवा दी। सीमा रोती रही, और खून का घूंट पीकर बर्दाश्त कर ली, लेकिन यह रोज का धंधा बन गया। यह देख सीमा विद्रोह पर उतारू हो गई, लेकिन बेगम साहिबा भी किसी विरोध का कोई परवाह किए सीमा को मारने-पीटने लगी और शरीर सौंपने के लिए मजबूर करने लगी। बेचारी सीमा करती भी तो क्या करती। उसने इस दलदल से छुटकारा पाने के लिए कई बार भागने की कोशिश की लेकिन सख्त पहरा के कारण वह अपने मकसद में कामयाब नहीं हो सकी। थक-हार कर सीमा बेगम की बात मानने लगी और रोजाना कई मर्दों के साथ शरीर का सौदा करने लगी। सीमा सोचती थी इसी तरह काम करूंगी तो बेगम का विश्वास जीतने में सफल हो जाऊंगी और मौका पाकर भाग निकलूंगी। सीमा के रहन-सहन से बेगम बहुत खुश हुई और पहरा हटवा दी। पहरा हटना था कि एक दिन मौका पाकर सीमा घर से भागने वाली ही थी कि अचानक मकान पर दिसपुर थाने की पुलिस ने छापा मारकर सीमा को दबोच लिया। सीमा के बयान पर थानों में आपराधिक मामला दर्ज करके बेगम साहिबा को भी गिरफ्तार कर लिया। किस्मत की मारी सीमा को पुलिस ने उसके माता-पिता के हवाले कर दिया और चार्जशीट कोर्ट में पेश कर दी।

इस तरह की घटनाएं न जाने कितनी घट चुकी हैं, फिर भी असम समेत पूरे गुवाहाटी और इसके आस-पास के इलाकों में चंद रुपयों के चलते मजबूर लड़कियां और युवतियां को देह व्यापार के धंधे में उतारने वालों का गिरोह आज भी सक्रिय है।

संपादकीय

बंगाल में बदलाव

पश्चिम बंगाल की राजनीति में भारतीय जनता पार्टी की जीत केवल चुनावी परिणाम नहीं, बल्कि एक गहरे राजनीतिक संकेत के रूप में देखी जानी चाहिए। लंबे समय से क्षेत्रीय वर्चस्व और मजबूत संगठनात्मक पकड़ रखने वाली तृणमूल कांग्रेस के सामने यह परिणाम बदलाव की एक नई कहानी लिखता है।

यह जीत बताती है कि मतदाता अब केवल परंपरागत निष्ठाओं से बंधे नहीं हैं। विकास, कानून-व्यवस्था और पारदर्शिता जैसे मुद्दे अब निर्णायक बन रहे हैं। भाजपा ने जिस तरह जमीनी स्तर पर अपनी पकड़ मजबूत की, वह इस बदलाव का बड़ा कारण बना। वहीं, सत्ता में रही तृणमूल कांग्रेस के लिए यह परिणाम आत्ममंथन का अवसर है।

लेकिन सवाल यह भी है कि क्या यह जीत स्थायी राजनीतिक बदलाव का संकेत है, या केवल असंतोष की अस्थायी अभिव्यक्ति? भाजपा के सामने अब असली परीक्षा शुरू होती है—वायदों को ज़मीन पर उतारने की। बंगाल जैसे संवेदनशील और सांस्कृतिक रूप से विशिष्ट राज्य में शासन केवल राजनीतिक शक्ति का नहीं, बल्कि सामाजिक संतुलन और विश्वास का भी प्रश्न है।

जनता ने बदलाव का संकेत दिया है, लेकिन उम्मीदों का बोझ भी उतना ही बड़ा है। अगर नई सत्ता इन उम्मीदों पर खरी उतरती है, तो यह जीत इतिहास बन सकती है। वरना यह भी एक क्षणिक राजनीतिक लहर बनकर रह जाएगी।

सुलगता सवाल? आपके विचार

नेपाल से रिश्ते

भारत और नेपाल के बीच लिपुलेख को लेकर फिर उठी आवाज़ कोई नई नहीं, पर इस बार इसका समय और संदर्भ चिंताजनक है। जब कैलास मानसरोवर यात्रा की तैयारियां चल रही हों, तब इस तरह का दावा केवल कूटनीतिक संवाद नहीं, बल्कि अनावश्यक दबाव बनाने की कोशिश भी लगता है।

नेपाल का कहना है कि लिपुलेख दर्रा उसका क्षेत्र है, जबकि भारत इसे अपने उत्तराखंड का अभिन्न हिस्सा मानता है। सवाल यह नहीं कि दावा किसका है, बल्कि यह है कि क्या बार-बार ऐसे दावे दोहराने से समाधान निकलेगा? या फिर यह केवल राजनीतिक संदेश देने का एक माध्यम बनकर रह जाएगा?

भारत ने पहले ही नेपाल के दावे को 'एकतरफा' बताया है। ऐसे में नेपाल को समझना होगा कि पड़ोसी संबंध भावनाओं से नहीं, बल्कि तथ्यों और आपसी विश्वास से चलते हैं। चीन की मौजूदगी वाले इस त्रि-जंक्शन क्षेत्र में अनावश्यक बयानबाज़ी, क्षेत्रीय संतुलन को भी प्रभावित कर सकती है।

समाधान का रास्ता स्पष्ट है—शांत, गंभीर और निरंतर वार्ता। लेकिन वार्ता तब सार्थक होती है, जब दोनों पक्ष अपनी-अपनी सीमाओं का सम्मान करते हुए आगे बढ़ें। बार-बार विवाद उछालना, न तो समाधान देता है और न ही संबंधों को मजबूत करता है।

अब समय है कि दावा नहीं, संवाद और स्थिरता को प्राथमिकता दी जाए—क्योंकि पड़ोसी बदले नहीं जा सकते, लेकिन रिश्तों को बेहतर जरूर बनाया जा सकता है।

एक तीर से दो शिकार

जन जन विचार
...✍ नीरज कुमार दुबे

बिहार विधान परिषद के उपचुनाव में मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने भाजपा की ओर से सूर्य कुमार शर्मा उर्फ अरविंद शर्मा का नामांकर दाखिल कराकर एक तीर से दो शिकार किया है। मंगल पांडे द्वारा रिक्त इस सीट पर 12 मई को मतदान होगा।

दरअसल, बिहार में कुशवाहा जाति के एनडीए में दो नेता हैं। मुख्यमंत्री व भाजपा नेता सम्राट चौधरी और राष्ट्रीय लोक मोर्चा के राष्ट्रीय अध्यक्ष व राज्यसभा सांसद उपेंद्र कुशवाहा। एक म्यान में दो तलवार जैसी स्थिति कही जा सकती है।

वैसे भी बिहार विधान सभा चुनाव 2025 के दौरान उपेंद्र कुशवाहा ने बिहार की राजनीति में कुशवाहा वोट के महत्व को समझाते हुए भाजपा आलाकमान पर 10 से 15 सीटों की मांग कर जबरदस्त प्रेसर बनाया था। हालांकि, भाजपा आलाकमान ने राष्ट्रीय लोक मोर्चा को पांच सीटें दी थी। भाजपा आलाकमान ने जब हिंदुस्तानी आवाम मोर्चा को 6 सीटों पर चुनाव लड़ने की हरी झंडी दे दी, तो उपेंद्र कुशवाहा ने फिर एक बार अपनी नाराजगी जाहिर की तो भाजपा ने उपेंद्र कुशवाहा को भी छह सीटों पर चुनाव लड़ने की इजाजत दे दी।

सम्राट चौधरी और विजय सिन्हा के रिश्ते का इसी से अंदाजा लगाया जा सकता है। मुख्यमंत्री बनते ही सम्राट चौधरी ने विजय सिन्हा की सुरक्षा में कटौती करते हुए उसे जेड प्लस से घटाकर जेड श्रेणी कर दिया।

सम्राट चौधरी ने विजय सिन्हा के फैसले को भी बदल दिया। सम्राट चौधरी ने 224 राजस्व कर्मचारियों का सस्पेंशन वापस ले लिया, जिन्हें विजय सिन्हा ने राजस्व मंत्री रहते ढाई महीने पहले सस्पेंड किया था। राजस्व व भूमि सुधार विभाग के प्रधान सचिव को भी बदल दिया।

नीतीश मंत्रिमंडल के गठन के दौरान उपेंद्र कुशवाहा ने फिर एक बार गेम खेलकर सभी को चौंका दिया। पत्नी स्नेहलता विधायक या अपने जीते हुए विधायकों को मंत्री न बना कर बेटे दीपक प्रकाश को मंत्री बना दिया। इसको लेकर पार्टी के तीनों विधायक ने विद्रोह भी किया था।

उपेंद्र कुशवाहा ने बेटे दीपक प्रकाश को इसलिए मंत्री बनाया कि वे किसी भी सदन के सदस्य नहीं हैं। इसलिए मंत्रिपद बचाने के लिए एक एमएलसी का अतिरिक्त सीट मिल जाएगा। नीतीश मंत्रिमंडल भंग हो जाने के कारण दीपक फिलहाल मंत्री नहीं हैं।

सम्राट चौधरी की सलाह पर भाजपा ने सूर्य कुमार शर्मा उर्फ अरविंद शर्मा को विधान परिषद के लिए नामित कर उपेंद्र कुशवाहा की मुश्किलें बढ़ा दी है। कुशवाहा अब अपने बेटे के हित को देखते हुए अपनी पार्टी का भाजपा में विलय के लिए मजबूर हो सकते हैं।

भाजपा का दबाव भी है उपेंद्र कुशवाहा पर ऐसा करने के लिए। दरअसल, भाजपा उपेंद्र कुशवाहा को कुशवाहा वोट बैंक के लिए सह रही थी और इनके प्रेसर पॉलिटिक्स से भी परेशान थी। अब भाजपा को ही सम्राट चौधरी के रूप में कुशवाहा जाति का बड़ा नेता मिल गया है।

सम्राट चौधरी ने एक ही तीर से दूसरा शिकार किया है पूर्व उप मुख्यमंत्री विजय कुमार सिन्हा का। जातिय राजनीति को देखते हुए भूमिहार जाति के विजय सिन्हा की भविष्य की राजनीति को भी पूरी तरह उलझा दिया है।

नीतीश सरकार में सम्राट चौधरी और विजय सिन्हा दोनों उप मुख्यमंत्री थे। दोनों के मध्य शुरू से छत्तीस का आंकड़ा विधानसभा से लेकर सार्वजनिक स्थल पर रहा। नीतीश के बगल में बैठने व साथ चलने के लिए दृष्टिकटु दृश्य देखने को मिलता था।

सम्राट चौधरी और विजय सिन्हा के रिश्ते का इसी से अंदाजा लगाया जा सकता है। मुख्यमंत्री बनते ही सम्राट चौधरी ने विजय सिन्हा की सुरक्षा में कटौती करते हुए उसे जेड प्लस से घटाकर जेड श्रेणी कर दिया।

सम्राट चौधरी ने विजय सिन्हा के फैसले को भी बदल दिया। सम्राट चौधरी ने 224 राजस्व कर्मचारियों का सस्पेंशन वापस ले लिया, जिन्हें विजय सिन्हा ने राजस्व मंत्री रहते ढाई महीने पहले सस्पेंड किया था। राजस्व व भूमि सुधार विभाग के प्रधान सचिव को भी बदल दिया।

सम्राट चौधरी को नेता चुनने वक्त विजय सिन्हा को ही नाम प्रस्ताव करना था। विजय सिन्हा ने नाम प्रस्ताव तो किए लेकिन यह भी बताना नहीं भूले की उनसे ऐसा करने को कहा गया है। सम्राट चौधरी के मंत्रिमंडल में दोनों ही उप मुख्यमंत्री जदयू के हैं।

बहरहाल, भूमिहार जाति से जदयू के विजय कुमार चौधरी उप मुख्यमंत्री हैं। सम्राट चौधरी मंत्रिमंडल विस्तार में विजय सिन्हा उप मुख्यमंत्री नहीं सिर्फ मंत्री बन सकते हैं। ऐसी स्थिति में विजय सिन्हा क्या मंत्री बनना चाहेंगे! अब, सूर्य कुमार शर्मा उर्फ अरविंद शर्मा भी भूमिहार कोटा से मंत्री पद के प्रबल दावेदार हो सकते हैं।

भारत-बांग्लादेश रिश्तों में फिर खिंचाव

हिमंत के बयान पर पड़ोसी देश ने जताया विरोध, कार्यवाहक उच्चायुक्त को किया तलब

जन जन विचार
...✍ गुवाहाटी

भारत और बांग्लादेश के बीच कूटनीतिक संबंधों में एक बार फिर तल्खी देखने को मिली है। असम के मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत विश्व शर्मा के एक बयान को लेकर बांग्लादेश ने तीखी प्रतिक्रिया देते हुए भारत के कार्यवाहक उच्चायुक्त को तलब कर औपचारिक विरोध दर्ज कराया है।

सूत्रों के अनुसार, बांग्लादेश के विदेश मंत्रालय की महानिदेशक इशरत जहां ने भारतीय राजनयिक पवन बाधे को बुलाकर स्पष्ट किया कि इस तरह के बयान दोनों देशों के मैत्रीपूर्ण संबंधों को नुकसान पहुंचाते हैं। ढाका ने इन टिप्पणियों को 'अपमानजनक' बताते हुए अपनी नाराजगी जाहिर की।

क्या कहा था हिमंत ने

पिछले सप्ताह सोशल मीडिया पर दिए गए बयान में असम के मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत विश्व शर्मा ने कहा था कि असम में पकड़े गए 20 विदेशी नागरिकों को 'धक्का देकर' बांग्लादेश भेजा गया। उन्होंने सख्त लहजे में कहा कि 'लातों के भूत बातों से नहीं मानते', जिससे यह मामला कूटनीतिक स्तर तक पहुंच गया।

कूटनीतिक संदेश

बांग्लादेश की ओर से यह संकेत दिया गया कि ऐसी टिप्पणियां द्विपक्षीय विश्वास को कमजोर कर सकती हैं। वहीं, भारतीय पक्ष ने अभी तक इस मामले पर आधिकारिक प्रतिक्रिया नहीं दी है, लेकिन सूत्रों का कहना है कि स्थिति पर नजर रखी जा रही है।

संवेदनशील हैं रिश्ते

भारत-बांग्लादेश संबंध पिछले कुछ समय से उतार-चढ़ाव के दौर से गुजर रहे हैं। अगस्त 2024 में मोहम्मद युनूस के नेतृत्व में अंतरिम सरकार बनने के बाद संबंधों में तनाव देखा गया था। हालांकि, फरवरी 2026 में चुनावों के बाद तारीक रहमान के नेतृत्व में नई सरकार बनने के बाद रिश्तों को सुधारने की कोशिशें जारी हैं।

महंगा होगा पेट्रोल-डीजल

नई दिल्ली। अंतर्राष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमतें 110-126 डॉलर प्रति बैरल के बीच रहने से देश में पेट्रोल-डीजल महंगा होने की चर्चा तेज है। विशेषज्ञों ने 25-28 रुपए प्रति लीटर तक बढ़ोतरी की आशंका जताई है, लेकिन सरकार ने फिलहाल कोई अंतिम फैसला नहीं होने की बात कही है।

इंडियन ऑयल कॉर्पोरेशन समेत तेल कंपनियों पर चार साल से स्थिर कीमतों के कारण भारी दबाव है। सूत्रों के अनुसार, कंपनियों को पेट्रोल पर करीब 20 रुपए और डीजल पर 100 रुपए प्रति लीटर तक नुकसान हो रहा है।

अभी बढ़ोतरी तय नहीं, लेकिन हालात ऐसे हैं कि आने वाले समय में कीमतें बढ़ सकती हैं।

फालता विस क्षेत्र में मतदान रद्द 21 मई को होगी दोबारा वोटिंग

जन जन विचार
...✍ कोलकाता

बंगाल विधानसभा चुनाव दूसरे चरण के मतदान दौरान दक्षिण 24 परगना जिले के 144-फालता विधानसभा क्षेत्र में बड़े पैमाने पर चुनावी अनियमितताओं और धांधली की पुष्टि होने के बाद, भारत निर्वाचन आयोग ने एक ऐतिहासिक और कड़ा कदम उठाया है।

आयोग ने 29 अप्रैल को हुए मतदान को पूरी तरह से रद्द घोषित करते हुए पूरे विधानसभा क्षेत्र के सभी मतदान केंद्रों पर फिर से मतदान कराने का आदेश दिया है।

निर्वाचन आयोग द्वारा दो मई को जारी आदेश के अनुसार, मतदान के दिन कई मीडिया रिपोर्ट्स और राजनीतिक दलों से शिकायतें मिली थीं कि इलेक्ट्रानिक वोटिंग मशीनों (ईवीएम) की बैलेट यूनिट पर एक विशेष राजनीतिक दल के बटन के सामने काली टेप लगा दी गई थी।

जांच में यह भी पाया गया कि बटन पर इत्र और स्याही का उपयोग किया गया था ताकि यह पहचाना जा सके कि मतदाता ने किसे वोट दिया है। आयोग ने इसे लोकतांत्रिक प्रक्रिया का घोर उल्लंघन और 'बूथ कैप्चरिंग' की श्रेणी में माना है।

विशेष पर्यवेक्षक और जिला निर्वाचन अधिकारी की विस्तृत रिपोर्ट में खुलासा हुआ कि निर्वाचन क्षेत्र के 60 मतदान केंद्रों (कुल मतदान केंद्रों का 21 प्रतिशत) में गंभीर प्रक्रियात्मक उल्लंघन हुए।

जांच के दौरान कई मतदान केंद्रों की वेबकास्टिंग फुटेज या तो गायब मिली या जानबूझकर हटाई गई थी। कुछ स्थानों पर फुटेज में बाहरी व्यक्तियों और मतदान अधिकारियों को बार-बार वोटिंग कंपार्टमेंट में प्रवेश करते और मतदाताओं को प्रभावित करते देखा गया। रिटर्निंग ऑफिसर और जनरल ऑब्जर्वर पर भी जांच को सतही तरीके से करने का आरोप लगा है।

आयोग ने जन प्रतिनिधित्व अधिनियम, 1951 की धाराओं 58 और 58 ए के तहत अपनी शक्तियों का प्रयोग करते हुए निम्नलिखित नया कार्यक्रम निर्धारित किया है।

पुनर्मतदान की तिथि : 21 मई, 2026 (गुरुवार)

मतदान का समय : सुबह 07.00 बजे से शाम 06.00 बजे तक

मतगणना की तिथि : 24 मई, 2026 (रविवार)

चुनाव प्रक्रिया पूरी करने की अंतिम तिथि को भी बढ़ाकर अब 25 मई, 2026 कर दिया गया है। निर्वाचन आयोग ने स्पष्ट किया है कि भविष्य में स्वतंत्र और निष्पक्ष चुनाव सुनिश्चित करने के लिए अतिरिक्त सुरक्षा उपाय और दिशा-निर्देश अलग से जारी किए जाएंगे।

सुप्रीम कोर्ट से पवन खेड़ा को बड़ी राहत

जन जन विचार
...✍ नई दिल्ली/गुवाहाटी

कांग्रेस नेता पवन खेड़ा को सुप्रीम कोर्ट से बड़ी राहत मिली है। शीर्ष अदालत ने असम के मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत विश्व शर्मा की पत्नी रिनिकी भुइयां शर्मा द्वारा दर्ज आपराधिक मामले में खेड़ा को शर्तों के साथ अग्रिम जमानत दे दी है।

क्या है पूरा मामला

यह विवाद उस समय शुरू हुआ जब पवन खेड़ा ने असम चुनाव से पहले रिनिकी भुइयां शर्मा पर तीन देशों का पासपोर्ट रखने और विदेशी निवेश से जुड़े आरोप लगाए थे। इन आरोपों को खारिज करते हुए उनके खिलाफ आपराधिक मामला दर्ज कराया गया गौहाटी हाई कोर्ट ने खेड़ा की अग्रिम जमानत याचिका खारिज कर दी थी, जिसके बाद उन्होंने सुप्रीम कोर्ट का दरवाजा खटखटाया।

यह फैसला न केवल पवन खेड़ा को तत्काल राहत देता है, बल्कि यह भी संकेत देता है कि अदालतें राजनीतिक मामलों में व्यक्तिगत स्वतंत्रता की रक्षा को प्राथमिकता देती हैं।

'बुलाया जाएगा तब आना होगा थाने'

सुप्रीम कोर्ट ने गिरफ्तारी पर पवन खेड़ा को अग्रिम जमानत पर रिहा करने का आदेश देते हुए कहा है कि वह जांच में सहयोग देंगे और जब जरूरत होगी या बुलाया जाएगा तब पुलिस थाने में पेश होंगे। यह भी कहा है कि पवन खेड़ा जांच और ट्रायल के दौरान सबूतों से छेड़छाड़ या उन्हें प्रभावित नहीं करेंगे साथ ही कोर्ट की पूर्व इजाजत के बगैर देश छोड़कर नहीं जाएंगे।

शीर्ष अदालत ने आदेश में टिप्पणी करते हुए कहा है कि यह मामला राजनीतिक रंजिश से उपजा हुआ लगता है। ये आदेश न्यायमूर्ति जेके महेश्वरी और अतुल एस. चंदुरकर की पीठ ने गुवाहाटी हाई कोर्ट के आदेश को चुनौती देने वाली पवन खेड़ा की अपील स्वीकार करते हुए दिए।

जब जब की बात जब तक साप्ताहिक
जन जन विचार
RNI Regd No. ASMUL/25/A2367

Head Office : Golapi Market, 1st Floor, Beltola, Guwahati 781029
Branch Office : JanJan Vichar, GMCH Road, Harbala Market, Khangagarh, Guwahati - 781005
Contact : 69001 26012
Email. official.janjanvichar@gmail.com
Website: WWW.janjanvichar.in

ग्राहक सदस्यता फॉर्म

ग्राहक विवरण

पूरा नाम : .....

पूरा पता : .....

.....

मोबाइल : ..... ह्वाट्सएप .....

ई-मेल (यदि हो) : .....

सदस्यता विवरण
अवधि : 1 वर्ष शुल्क : रु. 500/- मात्र

सदस्यता के साथ विज्ञापन लाभ
- सालभर (52 अंक) का अखबार नि:शुल्क मिलेगा
- एक नि:शुल्क विज्ञापन (10 सेमी. x 3 कॉलम)
- विज्ञापन प्रकाशन की तिथि ग्राहक की सुविधा अनुसार

भुगतान विवरण
☐ यूपीआई ☐ बैंक ट्रांसफर
Bank Details
JAN JAN VICHAR
Bank : HDFC, Branch : Guwahati
A/C No. 50200116979015
IFSC : HDFC0000264
इस क्यूआर कोड को स्कैन कर जन जन विचार के बैंक खाते में सीधे भुगतान कर सकते हैं।
(कृपया उपरोक्त में किसी एक माध्यम से ही भुगतान करें।)
भुगतान तिथि : ..... रसीद संख्या: .....

घोषणा
मैं स्वेच्छा से जन जन विचार साप्ताहिक अखबार की एक वर्ष की सदस्यता ग्रहण करता/करती हूँ एवं सभी शर्तों से सहमत हूँ।

ग्राहक के हस्ताक्षर : तिथि :

कार्यालय उपयोग हेतु
सदस्यता क्रमांक: ..... भुगतान प्राप्त रसीद संख्या: ..... प्राप्तकर्ता का नाम : .....
तिथि : ..... हस्ताक्षर : .....

सीबीएसई ने लॉन्च किया पेरेंटिंग कैलेंडर, सोशल मीडिया व गेंमिग की लत से उबरने में करेगा मदद

जन जन विचार
...✍ नई दिल्ली

राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद (NCERT) ने राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 के तहत (CBSE Parenting Calendar) लॉन्च किया है। यह कैलेंडर शैक्षणिक सत्र 2026-27 के लिए लॉन्च किया गया है। सीबीएसई पेरेंटिंग कैलेंडर का मुख्य उद्देश्य अभिभावकों और स्कूलों के बीच बेहतर तालमेल बनाकर बच्चों का समग्र विकास करना है।

सीबीएसई द्वारा शुरू किए गए इस पहल के तहत अभिभावक नियमित वर्कशॉप के जरिये बच्चों का व्यवहार एवं उनकी मानसिक मनोदशों को समझना सीखेंगे।

क्या है पेरेंटिंग कैलेंडर

सीबीएसई द्वारा एनईपी के तहत शैक्षणिक सत्र 2026-27 के लिए (CBSE Parenting Calendar) शुरू किया गया है। इस पहल के तहत अभिभावकों को स्कूल द्वारा विशेष ट्रेनिंग दी जाएगी। अभिभावक न केवल बच्चों के व्यवहार को समझना सीखेंगे, बल्कि सोशल मीडिया के नुकसान, गेमिंग एडिक्शन और स्क्रीन मैनेजमेंट विषयों पर अभिभावकों को नियमित रूप से प्रशिक्षित किया जाएगा।

हर उम्र के बच्चों के लिए अलग-अलग कैटेगरी

सीबीएसई ने पेरेंटिंग कैलेंडर के तहत हर उम्र के बच्चों के लिए अलग-अलग कैटेगरी बनाई है। अलग-अलग कैटेगरी के आधार पर अभिभावक बच्चों की परेशानी को बेहतर ढंग से समझ सकेंगे।

बाल वाटिका : बाल वाटिका कैटेगरी के अंतर्गत अभिभावकों को नर्सरी से छोटी क्लास के बच्चों की आदत, भावनात्मक विकास और स्क्रीन टाइम को सीमित करने पर जोर दिया जाएगा।

मिडिल क्लास : इस कैटेगरी के अंतर्गत अभिभावक को सिखाया जाएगा कि वे कैसे दोस्ती के प्रति रुझान और बच्चों का आत्मविश्वास बढ़ा सकते हैं।

सीनियर क्लास : इस कैटेगरी के अंतर्गत अभिभावक छात्रों की करियर की चिंता, बोर्ड परीक्षा का तनाव और लाइफ स्किल्स को विकसित करने में मदद करेंगे।

पेरेंट्स के लिए वर्कशॉप का आयोजन

अभिभावकों के लिए स्कूलों में केवल पीटीएम ही नहीं, बल्कि नियमित रूप से वर्कशॉप का भी आयोजन किया जाएगा। इस वर्कशॉप में पेरेंट्स बच्चों के व्यवहार, बच्चों की मानसिक स्थिति को समझना सीखेंगे। इसके साथ ही अभिभावकों के लिए सपोर्ट ग्रुप भी बनाया जाएगा। इसके साथ ही प्रोजेक्ट्स और ओपन हाउस प्रोग्राम के जरिये बच्चों और अभिभावक के बीच ऑफलाइन जुड़ाव बढ़ाने में मदद की जाएगी।

यूनियन बैंक में अप्रेंटिस के 1865 पदों पर निकली भर्ती

जन जन विचार
...✍ नई दिल्ली

बैंक में सरकारी नौकरी का सपना देख रहे युवाओं के लिए खुशखबरी है। यूनियन बैंक ऑफ इंडिया (यूबीआई) की ओर से देशभर में अप्रेंटिसशिप के 1865 रिक्त पदों को भरने के लिए भर्ती निकाली गई है जिसके लिए आवेदन प्रक्रिया शुरू हो चुकी है। इस भर्ती में भाग लेने के लिए उम्मीदवार ऑनलाइन माध्यम से बैंक की ऑफिशियल वेबसाइट unionbankofindia.bank.in पर जाकर या इस पेज पर दिए डायरेक्ट लिंक से फॉर्म भर सकते हैं। आवेदन करने की लास्ट डेट 19 मई 2026 निर्धारित है।

स्नातक उत्तीर्ण अभ्यर्थी कर सकते हैं अप्लाई

इस भर्ती में भाग लेने के लिए उम्मीदवार का मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय/ संस्थान से किसी भी स्ट्रीम में स्नातक उत्तीर्ण होना अनिवार्य है। 1 अप्रैल 2026 को ध्यान में रखते हुए अभ्यर्थी की न्यूनतम आयु 20 वर्ष से कम और अधिकतम आयु 28 साल से ज्यादा नहीं होनी चाहिए। ऊपरी उम्र में आरक्षित श्रेणी से आने वाले उम्मीदवारों को छूट दी गई है।

राज्य के अनुसार भर्ती

इस भर्ती के माध्यम से देशभर में कुल 1865 पदों पर भर्ती की जाएगी। राज्यवार भर्ती विवरण निम्नलिखित है-

अंडमान और निकोबार दीप समूह -1 पद, आंध्र प्रदेश- 303, असम-29, बिहार-60, चंडीगढ़-6, छत्तीसगढ़-25, दादरा और नगर हवेली- 1, दमन और दीव- 1, गोवा- 5, गुजरात-58, हरियाणा-30, हिमाचल प्रदेश-1, जम्मू कश्मीर-2, झारखंड-34, कर्नाटक-131, केरल- 39, लद्दाख- 1, लक्षद्वीप-1, मध्य प्रदेश-116, महाराष्ट्र-196, मेघालय-1, नगालैंड-1, दिल्ली- 48, ओडिशा- 58, पुदुचेरी-1, पंजाब- 21, राजस्थान- 32, सिक्किम- 2, तमिलनाडु- 95, तेलंगाना- 164, त्रिपुरा- 1, उत्तराखंड- 10, उत्तर प्रदेश- 3335, पश्चिम बंगाल- 56 पद।

पृष्ठ 1 का शेषांश...

विपक्षी दल के 24 में से 22 विधायक मुसलमान

विधायक को छोड़कर बाकी सभी इस्लाम धर्म का पालन करते हैं। मैं यह नहीं कह रहा हूं कि हिंदू या मुस्लिम जीते हैं।

चुनाव के परिणाम साफ कहते हैं कि, वहां की जनता ने विपक्ष में करीब-करीब मुसलमानों को हार का मुंह दिखा दिया है। इन आंकड़ों को लेकर मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा शुरू से ही कहते आ रहे थे कि, परिसीमन के बाद स्वदेशी समुदाय ही राज्य में सरकार बनाने का काम करेगी। ऐसा इसीलिए क्योंकि, विधानसभा के कुल 126 सीटों में से 100 से अधिक सीटों पर स्वदेशी समुदाय का बहुलता है।

परिसीमन ने बदल दिया सारा खेल

एक रिपोर्ट के अनुसार, 2023 में निर्वाचन क्षेत्रों की सीमाओं के पुनर्निर्धारण के बाद असम के पहले विधानसभा चुनाव में परिसीमन एक अप्रत्याशित फैक्टर साबित हुआ। परिसीमन के कारण मुस्लिम बहुल सीटों की संख्या 35 से घटकर 22 हो गई, जिससे बीजेपी के दो मुख्य प्रतिद्वंद्वी कांग्रेस और एआईयूडीएफ अब एक दूसरे के खिलाफ अस्तित्व की लड़ाई लड़ रहे हैं।

हालांकि विधानसभा सीटों की संख्या 126 ही रही। उसमें कोई बदलाव नहीं आया। मगर, परिसीमन ने प्रतिनिधित्व के समीकरण को बदल दिया, जिससे मुस्लिम विधायकों की संख्या 25 से कम रही, जबकि स्वदेशी समुदाय 90 सीटों के मुकाबले 103 सीटों पर निर्णायक भूमिका निभाने लगे।

कहानी

सुपरहीरो कुत्ता : कैप्टन प्रोटेक्टो

पेश है एक साधारण पालतू जानवर की असाधारण कहानी। यह कहानी बार्नबी नाम के एक सुस्त गोल्डन रिट्रीवर की है, जो अपनी बहादुरी से कैप्टन प्रोटेक्टो बन गया।

सुपरहीरो : कैप्टन प्रोटेक्टो

बार्नबी कोई खास कुत्ता नहीं था। उसे टेनिस बॉल से ज्यादा दोपहर की नींद और पिज्जा के बचे हुए टुकड़ों से प्यार था। वह शहर के एक छोटे से अपार्टमेंट में अपनी मालकिन, सारा, के साथ रहता था। सारा एक लैब में साइंटिस्ट थी, जो सेलुलर रीजनेरेशन (कोशिकाओं के पुनर्जन्म) पर काम कर रही थी।

वह घटना जिसने सब बदल दिया

एक शाम, सारा अपनी लैब में एक नया ऍब्लू-फ्यूल' लिक्विड तैयार कर रही थी। बार्नबी लैब के फर्श पर सो रहा था। अचानक, शहर में एक छोटा सा भूकंप आया और शेल्फ पर रखा एक जार सीधे बार्नबी के पानी के कटोरे में गिर गया।

प्यास लगने पर, बार्नबी ने बिना जाने वह चमकीला नीला पानी पी लिया। अगली सुबह जब सारा ने बार्नबी को जगाने के लिए सीटी बजाई, तो बार्नबी ने अपनी पूंछ हिलाई। लेकिन वह पूंछ इतनी तेज़ी से हिली कि

कमरे में एक छोटा बवंडर बन गया और सारा के सारे पेपर हवा में उड़ गए!

बार्नबी को जल्द ही अपनी शक्तियों का पता चला

अल्ट्रा-सोनिक भौंक : उसकी एक 'भों' चोरों को 20 फीट पीछे फेंक सकती थी।

सुपर-स्मैल : वह तीन मील दूर से जलती हुई रोटी या मुसीबत को सूंघ सकता था।

गोल्डन शील्ड : जब भी वह डरता या उत्तेजित होता, उसके सुनहरे बाल एक अभेद्य कवच (Shield) में बदल जाते।

उसी रात, शहर के बैंक में कुछ नकाबपोश लुटेरे घुस गए। बार्नबी ने अपनी खिड़की से उनकी गंध सूंघी। वह अंधेरे में बाहर निकला, सारा का पुराना लाल स्कार्फ अपनी गर्दन पर लपेटा, और अपनी नई गति से बैंक की ओर दौड़ पड़ा।

उसने अपनी पूंछ के एक झटके से लुटेरों की कार पलट दी और अपनी गूंजती हुई आवाज से उन्हें पुलिस के आने तक बेहोश कर दिया।

वह कोई साधारण कुत्ता नहीं है। वह एक रक्षक है, एक दोस्त है... वह कैप्टन प्रोटेक्टो है!

शहर के अखबार की हेडलाइन।

दिन में, बार्नबी अभी भी सारा का प्यारा कुत्ता है जो पेट सहलाने के लिए तरसता है। लेकिन रात में, जब भी शहर में कोई मुसीबत आती है, वह अपनी खिड़की से कूदकर कैप्टन प्रोटेक्टो बन जाता है। उसे इनाम में मेडल नहीं, बल्कि एक्स्ट्रा डॉग ट्रीट्स चाहिए होते हैं।

टी20 विश्व कप : हरमनप्रीत की अगुवाई में जग फतह करने उतरेंगी भारत की छोड़ियां

जन जन विचार
...✍ मुंबई

टी20 विश्व कप के लिए भारतीय महिला टीम घोषित हो गई है। मुंबई स्थित भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) के मुख्यालय में चयन समिति की बैठक के बाद टीम का एलान कर दिया गया है। भारतीय टीम इस वैश्विक टूर्नामेंट में हरमनप्रीत कौर की अगुवाई में खेलने उतरेगी। भारत ने पिछले साल वनडे विश्व कप का खिताब अपने नाम किया था और अब टीम की नजरें अपने पहले टी20 विश्व कप खिताब पर होंगी। महिला टी20 विश्व कप 12 जून से पांच जुलाई तक इंग्लैंड और वेल्स में खेला जाएगा।

भारत-पाकिस्तान एक ही ग्रुप में : टी20 विश्व कप के लिए 12 टीमों को छह-छह के दो ग्रुप में बांटा गया है। भारतीय टीम ग्रुप-1 में शामिल है। ग्रुप-1 को 'ग्रुप ऑफ डेथ' माना जा रहा है, जहां मौजूदा दिग्गज टीमों के साथ भारत-पाकिस्तान की पारंपरिक प्रतिद्वंद्विता भी देखने को मिलेगी।

ग्रुप 1 : ऑस्ट्रेलिया, दक्षिण अफ्रीका, भारत, पाकिस्तान, बांग्लादेश, नीदरलैंड।

ग्रुप 2 : वेस्टइंडीज, इंग्लैंड, न्यूजीलैंड, श्रीलंका, आयरलैंड, स्कॉटलैंड।

14 जून को भारत-पाकिस्तान महामुकाबला

भारत और पाकिस्तान के बीच ग्रुप चरण का मुकाबला 14 जून को एजबेस्टन में खेला जाएगा। इस हाई-वोल्टेज मैच पर दुनियाभर के क्रिकेट प्रशंसकों की नजरें रहेंगी। इसके अलावा ऑस्ट्रेलिया और दक्षिण अफ्रीका जैसे मजबूत प्रतिद्वंद्वियों के साथ भारत के मुकाबले भी रोमांचक रहने वाले हैं।

भारतीय टीम का शेड्यूल

14 जून : भारत बनाम पाकिस्तान
17 जून : भारत बनाम नीदरलैंड
21 जून : भारत बनाम साउथ अफ्रीका
25 जून : भारत बनाम बांग्लादेश
28 जून : भारत बनाम ऑस्ट्रेलिया

महिला टी20 वर्ल्ड कप जीतने वाली टीमें

महिला टी20 वर्ल्ड कप के अब तक 9 संस्करण खेले जा चुके हैं। इस दौरान ऑस्ट्रेलिया का दबदबा रहा है। भारतीय टीम की किस्मत में अभी तक यह खिताब नहीं आया है, लेकिन हाल ही में वनडे वर्ल्ड कप जीतने के बाद भारतीय टीम के हौसले बुलंद हैं और आशा की जा रही है कि इस बार भारत की छोड़ियां ही कप उठाएंगी।

2009 : इंग्लैंड,
2010 : ऑस्ट्रेलिया
2012/13: ऑस्ट्रेलिया
2013/14 : ऑस्ट्रेलिया
2015/16 : वेस्टइंडीज
2018/19 : ऑस्ट्रेलिया
2019/20 : ऑस्ट्रेलिया
2022/23 : ऑस्ट्रेलिया
2024/25 : न्यूजीलैंड

यास्तिका व राधा यादव की हुई वापसी, नंदिनी को पहली बार मौका

भारत ने इंग्लैंड और वेल्स में 12 जून से शुरू होने वाले आगामी महिला टी-20 विश्व कप के लिए 15 खिलाड़ियों की टीम में अनकैप्ड खिलाड़ी नंदिनी शर्मा और विकेटकीपर-बल्लेबाज यास्तिका भाटिया को शामिल किया। प्रतिका रावल को टीम से बाहर कर दिया गया, जबकि ऑलराउंडर अमनजोत कौर चोट के कारण टीम में जगह नहीं बना पाईं।

हरमनप्रीत कौर कप्तानी करेंगी, जबकि स्मृति मंधाना उप-कप्तान होंगी। हालांकि, प्रतिका को इंग्लैंड के विरुद्ध होने वाले एकमात्र टेस्ट मैच के लिए टीम में शामिल किया गया है। यह टेस्ट मैच 10 से 13 जुलाई के बीच लॉर्ड्स के मैदान पर खेला जाएगा। नंदिनी मध्यम गति की गेंदबाज हैं, जिन्होंने महिला प्रीमियर लीग में दिल्ली कैपिटल्स के लिए 10 मैच खेलकर कुल 17 विकेट लिए। वह उस भारतीय टीम का भी हिस्सा थीं, जिसने इस साल फरवरी में बैंकॉक में आयोजित महिला एशिया कप राइजिंग स्टार्स टूर्नामेंट में हिस्सा लिया था।

टी20 वर्ल्ड कप के लिए चुनी गई यह टीम विश्व कप से पहले मेजबान इंग्लैंड के विरुद्ध खेली जाने वाली तीन मैचों की टी-20 अंतर्राष्ट्रीय सीरीज में भी हिस्सा लेगी। यह सीरीज 28 मई से शुरू होगी।

पृष्ठ 3 का शेषांश...

कब बंद होगा जिस्म...

रहा है तभी तो पुलिस ने एक्शन में आकर शहर के जया नगर स्थित एक गेस्ट हाउस में अचानक छापेमारी कर अवैध रूप से चल रहे देह व्यापार का भंडाफोड़ किया और चार लोगों को हिरासत में लिया। इसके अलावा ऑनलाइन एस्कॉट के माध्यम से संचालित हो रहे देह व्यापार का पर्दाफाश किया गया।

कहा गया कि रैकेट द्वारा ग्राहकों को मन पसंद युवतियां पड़ोसी जा रहा थी। यह धंधा कुछ इस प्रकार से किया जा रहा था कि किसी को शक न हो।

गिरोह के सरगना कुछ शातिर और चालाक लोगों को साथ रखे हुए थे, जो ग्रामीण इलाकों की पढ़ी-लिखी और गरीब परिवार की युवतियों को नौकरी का झांसा देकर देह व्यापार के दलदल में धकेलने का काम कर रहे हैं। इसके अलावा कुछ ऐसे गिराह के सरगना हैं जो भोली-भाली लड़कियों को बहला-फुसलाकर उके साथ पहले गलत काम करते हैं और अश्लील वीडियो बनाकर धमकाते हैं। ऐसे में युवती शरीर का सौदा करने पर मजबूर हो जाती है।

दूसरी ओर देह व्यापार के सही आंकड़े मिलना मुश्किल है, लेकिन पिछले कुछ सालों में मानव तस्करी और इससे संबंधित कुछ आंकड़े मौजूद हैं। यहां भोली भाली युवतियों और कम उम्र की लड़कियों को फंसाकर देह व्यापार करने पर मजबूर करते हैं।

गुवाहाटी में कुछ ऐसी महिलाएं भी हैं जो किराए के मकान लेकर कई युवतियों को साथ रखती हैं। किसी को शक न हो इसके लिए ऐसे मकान का चयन किया जाता है जिसके सामने दुकान हो, और उसमें बैठी युवतियां ग्राहकों को आकर्षित करती हैं। मकान के अंदर दिन के उजाले में जिस्म का खेल खेला जाता है।

पिछले कई दशकों से देह व्यापार के लिए महिलाओं की खरीद-फरोख्त खतरनाक स्तर तक पहुंच गया है। आंकड़े इस बात के गवाह हैं कि वर्ष से लेकर 2006 के बीच हर दिन औसतन दो महिलाएं या कम उम्र की लड़कियों को प्रदेश से बाहर ले जाया गया है।

आरोप है कि एक ताकतवर गिरोह लड़कियों का खरीद-फरोख्त का धंधा बड़े आराम से चला रहा है। साल 2000 से 2007 के बीच अनैतिक देह व्यापार कानून के तहत तकरीबन 150 मामले दर्ज किए गए हैं 413 लोगों की गिरफ्तारी हुई थी। 48 माममलों में आरोप पत्र दाखिल किए जा चुके हैं।

अंदर की बात करें तो देह व्यापार चलाने वाले गिरोह के बड़ी मछलियां अभी भी पकड़ से बाहर हैं। पुलिस की एक रिपोर्ट के अनुसार 1996 से लेकर 2006 के बीच राज्य से 3184 महिलाएं और 3840 बच्चे और बच्चियां लापता हुई हैं। जानकारों का कहना है कि इन युवतियों को दस हजार से लेकर 40 हजार रुपए की बोली लगाई जाती है। पंजाब, हरियाणा और राजस्थान से असम की कई युवतियों को देह व्यापार के दलदल से पुलिस ने बचाया है।

कुछ इसी तरह साल 2024 में पुलिस ने मानव तस्करी मामले में तकरीबन पांच सौ अधिक मामले दर्ज किए और 700 के आसपास तस्करों को हिरासत में लिया गया। तस्कर गिरोह के पास से एक हजार पीड़ितों को बरामद किया गया।

वर्ष 2021 में 203 मामले दर्ज किए गए और 394 अपराधियों को गिरफ्तार किया गया। 2017 से लेकर 2022 के बीच 481 लोगों की तस्करी हुई। इसके अलावा 759 लापता लोगों में से 666 लोगों को सही सलामत बरामद कर लिया गया।

नेशनल क्राइम ब्यूरो की एक रिपोर्ट से पता चलता है कि 2015 में तस्करी के 1494 मामले पंजीकृत किए गए थे, बरामद की गई युवतियों में से एक बड़ी संख्या उन लड़कियों की है जिन्हें जिस्म के बाजार में धकेला गया था।

हाल ही में पुलिस ने गुवाहाटी में कई देह व्यापार रैकेट का भंडाफोड़ किया है। इसके अलावा वर्ष 2021 में शहर के बेलतला इलाके से एक ही रात 22 लोगों की गिरफ्तारी गुवाहाटी पुलिस ने की थी। इनके अलावा 2025 और 2026 के अप्रैल महीने में स्पा सेंटर और गेस्ट हाउसों में पुलिस ने रेड मारी थी और देह व्यापार के धंधे में लिप्त युवतियों और युवकों को गिरफ्तार किया गया।

मदर्स डे : मां के त्याग को नमन

मां और बच्चे का रिश्ता दुनिया का सबसे अनमोल रिश्ता माना जाता है। मां न सिर्फ बच्चे को जन्म देती है, बल्कि जीवनभर बिना किसी स्वार्थ के अपने बच्चे की देखभाल करती है। इसी प्यार और त्याग को सम्मान देने के लिए हर साल मदर्स डे मनाया जाता है। लेकिन क्या आपने कभी सोचा है कि इस खास दिन की शुरुआत कैसे हुई? और वह कौन था जिसने पहली बार अपनी मां के लिए यह दिन मनाया?

हर साल मई के दूसरे रविवार मदर्स डे मनाया जाता है। यह दिन मां के प्रति कृतज्ञता व्यक्त करने का मौका है। आज यह पूरी दुनिया में बड़े उत्साह के साथ मनाया जाता है, लेकिन इस दिन की नींव एक बेटी ने रखी, जिन्होंने अपनी मां के प्रति गहरे प्रेम को जाहिर करने के लिए यह दिन पहली बार मनाया। 2026 में मदर्स डे 10 मई, रविवार को मनाया जाएगा।

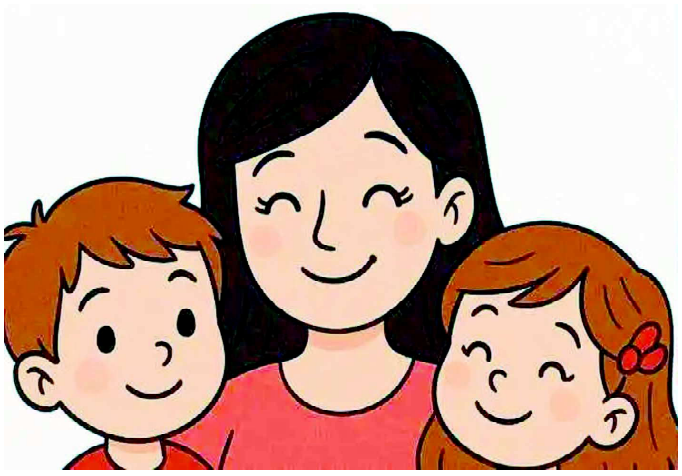

मदर्स डे की शुरुआत

मदर्स डे की शुरुआत अमेरिका में हुई थी। इसे एना जार्विस नाम की एक महिला ने 1908 में अपनी मां की याद में मनाया था। उनकी मां एक सामाजिक कार्यकर्ता थीं, जिन्होंने समाज सेवा में महत्वपूर्ण योगदान दिया था। एना जार्विस ने अपनी मां की याद में एक चर्च में खास कार्यक्रम आयोजित किया था, जिसमें उन्होंने मां के प्रति प्रेम और सम्मान व्यक्त किया। यही कार्यक्रम बाद में मदर्स डे की नींव बना और धीरे-धीरे यह परंपरा दुनिया भर में फैल गई।

दुनिया ने अपनाया मदर्स डे

आज मदर्स डे कई देशों में अलग-अलग तारीखों पर मनाया जाता है, लेकिन ज्यादातर देशों में इसे मई के दूसरे रविवार को सेलिब्रेट किया जाता है। यह दिन मां के प्रति आभार जताने और उन्हें खास महसूस कराने का अवसर देता है।

कैसे मनाएं मदर्स डे

इस दिन आप अपनी मां को गिफ्ट दे सकते हैं, उनके लिए स्पेशल खाना बना सकते हैं या उनके साथ समय बिता सकते हैं। सबसे जरूरी है उन्हें यह महसूस कराना कि वे आपके लिए कितनी खास हैं।

मदर्स डे का महत्व

मदर्स डे हमें यह याद दिलाता है कि हमें अपनी मां के प्यार और त्याग की कद्र करनी चाहिए। यह दिन रिश्तों को मजबूत बनाने और भावनाओं को व्यक्त करने का बेहतरीन मौका है।

चुटकुले

एक बुजुर्ग व्यक्ति बच्चे से बोला- कैसे हो बेटा?

बच्चा- ठीक हूं

बुजुर्ग व्यक्ति- पढ़ाई कैसी चल रही है?

बच्चा- बिल्कुल आपकी जिंदगी की तरह

बुजुर्ग व्यक्ति- मतलब

बच्चा- भगवान भरोसे.....

मिंटू (रिंकी से)- आई लव यू, अब तुम मुझे बोलो

रिंकी- मैं अभी जाकर सर को बोलती हूं

मिंटू- पगली सर को मत बोल, उनकी तो शादी हो चुकी है.....

गर्लफ्रेंड- बेबी तुम्हारी बहुत याद आ रही है

बॉयफ्रेंड- अभी मेरी सैलरी नहीं आई है

गर्लफ्रेंड- अच्छा, चलो पापा आ गए, बाद में बात करती हूं.....

पानी पीने का सही तरीका

गर्मी का मौसम आते ही शरीर में पानी की जरूरत कई गुना बढ़ जाती है। ऐसा इसलिए क्योंकि तेज धूप, पसीना और बढ़ते तापमान के कारण डिहाइड्रेशन का खतरा बना रहता है। ऐसे में अक्सर लोग ज्यादा से ज्यादा पानी पीने की कोशिश करते हैं, लेकिन क्या आप जानते हैं कि सिर्फ ज्यादा पानी पीना ही काफी नहीं होता, बल्कि उसे सही तरीके से पीना भी उतना ही जरूरी है।

जी हां, कई बार लोग एक साथ बहुत सारा पानी पी लेते हैं लेकिन फिर भी शरीर को पूरा फायदा नहीं मिल पाता। ऐसा इसलिए क्योंकि सही मात्रा के साथ-साथ पानी पीने का सही तरीका जानना बेहद जरूरी हो जाता है। अगर आप भी गर्मी में खुद को स्वस्थ रखना चाहते हैं और छोटी-छोटी बीमारियों से बचना चाहते हैं, तो पानी पीने की सही आदतों को अपनाना जरूरी है।

दिनभर थोड़ा-थोड़ा पिएं

सबसे अहम बात यह है कि पानी एक साथ ज्यादा मात्रा में पीने के बजाय दिनभर में थोड़ा-थोड़ा करके पिया जाए। जब आप एक बार में बहुत सारा पानी पी लेते हैं, तो शरीर उसे पूरी तरह उपयोग नहीं कर पाता और वह जल्दी बाहर निकल जाता है। वहीं थोड़ी-थोड़ी मात्रा में पानी पीने से शरीर उसे बेहतर तरीके से अवशोषित करता है और लंबे समय तक हाइड्रेशन बनाए रखता है।

सुबह उठते ही खाली पेट पानी पीना बेहद फायदेमंद माना जाता है। 1-2 गिलास पानी शरीर को अंदर से साफ करने में मदद करता है और मेटाबॉलिज्म को एक्टिव करता है। इससे दिनभर शरीर ज्यादा एनर्जेटिक महसूस करता है।

भोजन के बाद तुरंत न पिएं पानी

खाने के साथ या तुरंत बाद पानी पीने से बचना चाहिए। ऐसा करने से पाचन रस (डाइजेस्टिव जूस) पतले हो जाते हैं, जिससे खाना ठीक से पच नहीं पाता। बेहतर है कि खाना खाने के करीब 30 मिनट बाद पानी पिया जाए, ताकि पाचन प्रक्रिया सही तरीके से काम कर सके।

प्यास लगने का न करें इंतजार

प्यास लगने का इंतजार करना भी सही आदत नहीं है। जब प्यास लगती है, तब तक शरीर में पानी की कमी शुरू हो चुकी होती है। इसलिए हर थोड़ी देर में पानी पीते रहना चाहिए।

बहुत ठंडा पानी न पीएं

गर्मी में बहुत ठंडा पानी पीना तुरंत राहत जरूर देता है, लेकिन यह शरीर के लिए नुकसानदायक हो सकता है। खासकर जब आप धूप से आए हों, तब तुरंत फ्रिज का ठंडा पानी पीने से गले में खराश, सिरदर्द या पाचन संबंधी दिक्कत हो सकती है। इसलिए सामान्य या हल्का ठंडा पानी पीना ज्यादा सुरक्षित होता है।

रेड लिप ट्रेंड को अपनाती बोल्ड एंड टाइमलेस बॉलीवुड दिवाज

क्लासिक रेड लिप्स में एक अलग ही ताकत होती है क्योंकि ये बोल्ड, कॉन्फिडेंट और किसी भी लुक को तुरंत खास बना देते हैं। यही वजह है कि ग्लैमरस गाउन से लेकर पावर सूट तक, बॉलीवुड की टॉप एक्ट्रेसेस यह साबित कर रही हैं कि रेड लिपस्टिक सिर्फ मेकअप नहीं, बल्कि एक स्टेटमेंट है। तो आइए जानते हैं कैसे आपकी पसंदीदा दिवाज इस टाइमलेस ट्रेंड को नए अंदाज में पेश कर रही हैं-

दीपिका पादुकोण : द अल्टीमेट रेड लिप क्वीन

जब रेड लिपस्टिक ट्रेंड की बात आती है, तो दीपिका पादुकोण का नाम सबसे पहले आता है। इंटरनेशनल रेड कार्पेट से लेकर फिल्म प्रमोशन्स तक, उनका बोल्ड रेड पाउट हमेशा लोगों का ध्यान खींचता है। विंग्ड आईलाइनर या ड्रामेटिक आई मेकअप के साथ उनका रेड लिप लुक कॉन्फिडेंस और एलिगेंस से भरा होता है।

तमन्ना भाटिया : मॉडर्न ट्विस्ट के साथ ग्लैम

तमन्ना भाटिया क्लासिक रेड लिप्स को एक फ्रेश और यंग टच देती हैं। चाहे वो वेस्टर्न गाउन पहनें या ट्रेडिशनल साड़ी, उनके क्रिमसन शेड्स उनकी स्किन टोन को और भी निखारते हैं। सॉफ्ट ग्लैम मेकअप, जैसे ड्यूई स्किन और हल्का आई मेकअप के साथ उनके रेड लिप्स और भी उभरकर आते हैं।

आलिया भट्ट : सिंपल लेकिन स्ट्राइकिंग

आलिया भट्ट का रेड लिप लुक बैलेंस का बेहतरीन उदाहरण है। वह अक्सर सॉफ्ट रेड टोन चुनती हैं, जो उनके नेचुरल फीचर्स को निखारते हैं। फ्लश्ड चीक्स और मिनिमल आई मेकअप के साथ आलिया दिखाती हैं कि रेड लिप्स बोल्ड होने के साथ-साथ सटल भी हो सकते हैं।

कृति खरबंदा : प्लेफुल एंड प्रिटी

कृति खरबंदा रेड लिप ट्रेंड में एक फ्रेश और प्लेफुल वाइब लाती हैं। उनके ब्राइट चेरी-रेड शेड्स उनके लुक को तुरंत एनर्जी देते हैं।

पूर्वांचल प्रिंट्स की ओर से राजनाथ पाल द्वारा जीएमसीएच रोड, हरबाला मार्केट, भांगागढ़, गुवाहाटी-781005 से प्रकाशित एवं मुद्रित। संपर्क : 69001 26012
ई-मेल:official.janjanvichar@gmail.com, वेबसाइट: www.janjanvichar.in
● कार्यकारी संपादक : सुभाष कुमार चौधरी ●संपादक : धनेश्वर चौधरी